मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 135, मुंबई, बुधवार, 29 जून, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP: www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

संजय राउत की ईडी के सामने 1 जुलाई को पेशी

जमीन घोटाला केस में नया समन जारी, पात्रा चॉल से जुड़े दस्तावेज भी मांगे

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने शिव सेना सांसद संजय राउत को 24 घंटे में दूसरा समन जारी किया है। अब जांच एजेंसी के सामने राउत की पेशी 1 जुलाई को होगी। राउत से पात्रा चॉल जमीन घोटाले से जुड़े दस्तावेज भी लाने को कहा गया है। इससे पहले ईडी ने पात्रा चॉल जमीन घोटाला केस में पूछताछ के लिए राउत को 29 जून को हाजिर होने का नोटिस दिया था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

राउत ने नोटिस को बताया था साजिश

इससे पहले उन्होंने सोमवार को ईडी के समन को साजिश करार देते हुए ट्वीट भी किया था, अब मैं समझता हूं कि एऊने मुझे समन क्यों भेजा है। अच्छा है। महाराष्ट्र में बड़े घटनाक्रम चल रहे हैं। बाला साहेब के हम सभी शिव सैनिक एक बड़ी लड़ाई में शामिल हो गए हैं। यह साजिश चल रही है। मेरी गर्दन कट जाए तो भी मैं गुवाहाटी के रास्ते पर नहीं जाऊंगा। चलो। मुझे गिरफ्तार करो! जय महाराष्ट्र।

उद्धव की बागियों से अपील- मुझे आपकी फिक्र, लौट आइए... मिलकर बात करते हैं

अवैध निर्माणकर्ताओं के सबसे पसंदीदा अधिकारी

मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर

मुंबई। स्टे के बाद भी खुलेआम अवैध निर्माण करवाने में माहिर हैं मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर, जिसका जीता जागता सबूत आप दे सकते हैं मनपा बी/वार्ड प्रभाग क्र. 224 के कार्यक्षेत्र अंतर्गत 89, 98 सय्यद काजी स्ट्रीट मस्जिद बंदर, 11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई में। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

स्टे के बावजूद अपने पद का गलत इस्तेमाल करके खुलेआम करवाते हैं अवैध निर्माण

11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई की तस्वीर

89, 98 सय्यद काजी स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई की तस्वीर

ये अवैध निर्माण है भूमाफिया शब्बीर का

Ward No. 223 Beside. Deewani Clinicshop No. 22/24/26 Tantanpura street Near Hotel al Rehmaniya Khadak Mumbai. 400009

अवैध निर्माण को स्टे दिलाने का लाइसेंस मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर के हाथ में है, अगर आपको अवैध निर्माण करना है तो आप सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर से मिलकर स्टे ले लें, फिर **स्टे मिलने के बाद पूरे बिल्डिंग का निर्माण करवाने की जिम्मेदारी सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर और म्हाडा के अधिकारियों का है,** आपको अवैध निर्माण करने के लिए पूरा परमीशन, लाइसेंस सब मिल जायेगा और स्टे के बाद भी सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर के मेहरबानियों से खुलेआम करिए अवैध निर्माण

नासिर अंसारी को मुंबई बेकर्स एसोसिएशन का चुना गया प्रेसिडेंट

बांद्रा में एक सभा का किया गया आयोजन, बेकरी मालिकों को हो रही समस्याओं पर की गई चर्चा

संवाददाता / मुंबई। एक तरफ जहां लॉकडॉउन ने पूरे देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है, वहीं कितने कारखाने फैक्ट्री काम धंधे सब बंद हो चुके है और जो थोड़े बहुत बिजनेस काम धंधे चालू हैं उन्हे महगाई की मार झेलना पड़ रहा है। पेट्रोल डीजल के दाम डेली बढ़ रहे है। घी, तेल, मैदा व आटे के दाम आसमान छू रहे हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

श्रीलंका की लाचारी

श्रीलंका की स्थिति कहीं ज्यादा गंभीर है। समस्या सिर्फ यह नहीं है कि यहां जरूरी चीजों का अभाव है। बल्कि असल बात है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने पिछले दिनों अपनी लाचारी जताई। मुमकिन है कि यह उनका सियासी दांव हो, लेकिन उनके बयान ने देश को और भयभीत कर दिया है। विक्रिमसिंघे ने कहा कि श्रीलंका की स्थिति उससे कहीं ज्यादा गंभीर है, जितना आम तौर पर दुनिया को मालूम हो सका है। उनके मुताबिक श्रीलंका में समस्या सिर्फ यह नहीं है कि यहां जरूरी चीजों का अभाव है। बल्कि असल बात है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री बने सवा महीना गुजर चुका है। जाहिर है, देश के बेसब्र लोग उनसे जवाब मांग रहे हैं। तो ये जवाब उन्होंन इस रूप में दिया। उन्होंने रणनीति अपनाई कि अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय लोगों की अपेक्षाएं गिरा दी जाएं, ताकि दिक्कतों को दूर कर पाने की उनकी नाकामी पर लोग सवाल खड़े ना करें। हकीकत यही है कि बीते सवा महीने में भी स्थिति में तनिक भी सुधार नहीं हुआ है। दरअसल, आर्थिक संकट का खराब असर अब मध्य वर्ग पर भी दिखने लगा है। गरीब तबकों के भुखमरी का शिकार होने की खबरें पहले से आ रही थीं। अब आंच मध्य वर्ग तक पहुंच गई है। खुद श्रीलंका के विशेषज्ञों ने कहा है कि मध्य वर्ग को इस समय ऐसा धक्का लगा है, जैसा पिछले तीन दशक में कभी नहीं हुआ। विशेषज्ञों के मुताबिक श्रीलंका की दो करोड़ 20 लाख आबादी का 15 से 20 फीसदी हिस्सा मध्य वर्ग में शामिल माना जाता है। अभी हाल तक इस तबके की जिंदगी आराम से कट रही थी। लेकिन अब उसे इस बात की भी चिंता करनी पड़ रही है कि रोज तीन बार भोजन का कैसे इंतजाम किया जाए। अगर मध्य वर्ग को इस तरह संघर्ष करना पड़ रहा है, तो कल्पना की जा सकती है कि कमजोर तबकों की हालत कितनी खराब होगी। गौरतलब है कि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर 57 फीसदी तक पहुंच चुकी है। जरूरी चीजों का देश में अभाव है। खास कर पेट्रोलियम की कमी से सारी अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त है। और इसके बीच प्रधानमंत्री खुद को लाचार बता रहे हैं। तो देश में लाचारी का कैसा भाव बना होगा, समझा जा सकता है।

अमेरिकी लोकतंत्र पर सुप्रीम कोर्ट का धब्बा

सुप्रीम कोर्ट के कंजरवेटिव जजों ने अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के हवाले एक बेहद पिछड़ा हुआ और प्रतिगामी फैसला सुनाया है। अमेरिकी समाज के साथ साथ पूरी दुनिया को इसका विरोध करना चाहिए। अमेरिका एक आधुनिक समाज है हालांकि प्रगतिशीलता उस अनुपात में अमेरिकी नागरिकों में कम है फिर भी वहां के लोग अपने अधिकारों के प्रति बेहद सजग होते हैं। उन्हें इस फैसले को राजनीतिक और दलगत प्रतिबद्धता से ऊपर उठ कर देखना चाहिए। इसका विरोध करना चाहिए। ध्यान रहे स्त्रियों की हर तरह की आजादी और अधिकार की लड़ाई अमेरिका में लड़ी गई है। सो, अगर जरूरी हो तो गर्भपात के अधिकार की बहाली के लिए भी एक लड़ाई होनी चाहिए।

अमेरिका की सर्वोच्च अदालत ने दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र पर धब्बा लगाया है। अमेरिकी स्त्रियों से गर्भपात का अधिकार छीन कर सुप्रीम कोर्ट ने वह काम किया है, जिसकी कल्पना भी आधुनिक समाज में नहीं की जा सकती है। यह दुर्भाग्य है कि सुप्रीम कोर्ट के जजों ने सम्मान से जीवन जीने और स्वतंत्रता के बुनियादी अधिकारों की रक्षा के बजाए अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता को प्राथमिकता दी। तभी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह कहने का मौका मिला कि उन्होंने अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभा दी। ट्रंप ने खुल कर कहा कि उनके द्वारा नियुक्त किए गए जजों ने उनका एजेंडा पूरा किया है। कोई 50 साल पहले 1973 में 'रो बनाम वेड' मामले में अपने फैसले से सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश में हर महिला को अपनी इच्छा से गर्भपात का अधिकार दिया था। 2016 में राष्ट्रपति बनने के बाद से ट्रंप इस फैसले को पलटने के उपाय कर रहे थे। उनको सफलता मिली राष्ट्रपति पद से हटने के डेढ़ साल बाद।

ट्रंप ने अपने चार साल के कार्यकाल में सुप्रीम कोर्ट में तीन जज नियुक्त किए थे। उन तीनों जजों ने गर्भपात का अधिकार वापस लेने वाले बहुमत के फैसले का साथ दिया। नौ जजों की बेंच ने पांच-चार से फैसला किया और कहा कि पूरे देश में महिलाओं को मिले गर्भपात का अधिकार वापस लिया जाता है। बहुमत के फैसले में कहा गया कि अब राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह का कोई अधिकार महिलाओं के पास नहीं होगा। राज्य सरकारें अपने हिसाब से कानून बना सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के तुरंत बाद रिपब्लिकन पार्टी के शासन वाले राज्यों ने अपने राज्य में गर्भपात रोकने वाले ऐसे कानूनों को लागू कर दिया, जो उनके यहां पहले से बने हुए थे और जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के 'रो बनाम वेड' के फैसले की वजह से लागू नहीं किया जा रहा था। हालांकि अमेरिका के 50 राज्यों में से करीब आधे राज्यों में, जहां डेमोक्रेटिक पार्टी की सरकारें हैं वहां महिलाओं को गर्भपात का अधिकार मिलेगा। लेकिन यह कोई ऐसा अधिकार नहीं है, जो किसी राजनीतिक दल या सरकार की इच्छा पर निर्भर हो या जिसे चुनिंदा तरीके से दिया और वापस लिया जा सके। स्त्रियों का अपने शरीर पर संपूर्ण अधिकार है और यह अधिकार उन्हें किसी संविधान या सरकार से नहीं मिला हुआ है। जिस तरह पुरुष को अपने शरीर पर पूरा अधिकार है और कोई राज्य किसी कानून के जरिए यह अधिकार उससे छीन नहीं सकता है उसी तरह महिलाओं से भी यह अधिकार नहीं छीना जा सकता है। ध्यान रहे गर्भ धारण के नौ महीने तक भ्रूण को और फिर बच्चे को स्त्री अपने शरीर में रखती है, उसमें पुरुष की कोई शारीरिक भूमिका नहीं होती है। इसलिए निश्चित रूप से स्त्री को इसका अधिकार होना चाहिए कि वह गर्भधारण करना चाहती है या नहीं। इस अधिकार को किसी अदालत या सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। दुर्भाग्य की बात है कि ऐसी बुनियादी या साधारण बात अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के जजों को क्यों नहीं समझ में आ रही है या पूरा अमेरिकी समाज व राजनीतिक बिरादरी इस बात को क्यों नहीं समझ रही है?

बहुमत के फैसले से असहमति जताने वाले चार जजों ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी स्त्री के साथ बलात्कार होता है या उसकी इच्छा के विरूद्ध परिवार का कोई सदस्य संबंध बनाता है, जिससे स्त्री गर्भवती होती है तो उसे वह बच्चा पैदा करने के लिए कैसे मजबूर किया जा सकता है? लेकिन ऐसे बुनियादी सवाल पर भी बहुमत का फैसला लिखने वाले जजों ने कोई जवाब देना जरूरी नहीं समझा। सोचें, दुनिया के कई समाजों में और कई देशों में भी महिलाओं को बच्चे पैदा करने की मशीन माना जाता है। क्या अमेरिका में भी महिलाओं को ऐसी दशा में डाला जा सकता है? अमेरिका में महिलाएं पुरुषों के साथ बराबरी से काम कर रही हैं और हर क्षेत्र में समान भूमिका निभा रही हैं। स्पेस से लेकर युद्ध क्षेत्र तक महिलाएं समान दक्षता के साथ काम कर रही हैं क्या उनको बच्चे पैदा करने की अनिवार्यता से बांधा जा सकता है? क्या यह अवसर की समानता के सिद्धांत के विरुद्ध नहीं होगा? क्या महिलाएं इस अधिकार की हकदार नहीं हैं कि वे जब तक चाहें अपने जीवन, देश और समाज की बेहतरी के लिए काम करें और जब मर्जी हो तभी बच्चे पैदा करें? जो लोग यह तर्क दे रहे हैं कि अमेरिका के संविधान में गर्भपात को संवैधानिक अधिकार नहीं माना गया है उन्हें ध्यान रखना चाहिए 1868 में हुए संविधान संशोधन के जरिए हर अमेरिकी नागरिक को स्वतंत्रता और निजता का अधिकार दिया गया है। इसी स्वतंत्रता और निजता के अधिकार की संगति में 1973 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था और पूरे देश में स्त्रियों को गर्भपात का अधिकार दिया था। तभी सवाल है कि यह अधिकार कैसे छीना जा सकता है? क्या किसी भी सभ्य समाज में सरकार या अदालत को यह अधिकार है कि वह किसी व्यक्ति से समानता, स्वतंत्रता और निजता का अधिकार छीन सके? ध्यान रहे भारत में भी इमरजेंसी की अवधि में महान न्यायविद् जस्टिस हंसराज खन्ना ने अपने ऐतिहासिक फैसले में कहा था कि जीवन का अधिकार किसी संविधान या सरकार ने नहीं दिया है, बल्कि जन्म के साथ ही हर व्यक्ति को यह अधिकार मिल जाता है। स्त्रियों को मिला गर्भपात का अधिकार भी सम्मान और स्वतंत्रता से जीवन जीने के अधिकार से जुड़ा है, जिसे किसी हाल में छीना नहीं जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट के कंजरवेटिव जजों ने अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के हवाले एक बेहद पिछड़ा हुआ और प्रतिगामी फैसला सुनाया है। अमेरिकी समाज के साथ साथ पूरी दुनिया को इसका विरोध करना चाहिए। अमेरिका एक आधुनिक समाज है हालांकि प्रगतिशीलता उस अनुपात में अमेरिकी नागरिकों में कम है फिर भी वहां के लोग अपने अधिकारों के प्रति बेहद सजग होते हैं। उन्हें इस फैसले को राजनीतिक और दलगत प्रतिबद्धता से ऊपर उठ कर देखना चाहिए। इसका विरोध करना चाहिए। ध्यान रहे स्त्रियों की हर तरह की आजादी और अधिकार की लड़ाई अमेरिका में लड़ी गई है। सो, अगर जरूरी हो तो गर्भपात के अधिकार की बहाली के लिए भी एक लड़ाई होनी चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मकान का पतरा बदली करते समय हाईटेंशन टाटा

बिजली तार की चपेट में आने से बुरी तरह जला युवक

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मकान का पतरा बदली करते समय हाईटेंशन की चपेट में आने से एक युवक का जलने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में विश्वसनीय सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 22 जून बुधवार दोपहर 2:00 बजे अमृत नगर दादी कॉलोनी परिसर की झगड़े चाल में एक मकान की मरम्मत का काम जहीर नाम के युवक द्वारा किया जा रहा था आपको बताते चलें इसी मकान के ऊपर से हाईटेंशन टाटा बिजली का तार गई हुई है और जहीर ने इस मकान की मरम्मत का ठेका लिया हुआ था और जैसी ही जहीर मकान का पतरा बदली करने के लिए ऊपर चढ़ा वैसी ही हाईटेंशन टाटा

बिजली के तार की चपेट में आ जाने से यह युवक बुरी तरह से जल गया इस दुर्घटना में जहीर का चेहरे और हाथ की तरफ का पूरा हिस्सा जल गया और इसको तुरंत घाटकोपर के राजावाडी अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया है बताया जा रहा है कि इस युवक का इलाज का खर्चा पूरा मकान मालिक द्वारा किया जा रहा है आपको बताते चलें झगड़े चाल परिसर के बने हुए मकान के ऊपर से हाईटेंशन टाटा बिजली की तार गई हुई है और हाई वोल्टेज बिजली के तार झगड़े चाल परिसर में बने मकानों के ऊपर मात्र 3 फीट की दूरी पर है यह हाईटेंशन टाटा बिजली विभाग के अधिकारी अपना ध्यान इस ओर केंद्रित करें नहीं तो भविष्य में एक बहुत बड़ी दुर्घटना हो सकती है और यही कारण एक गंभीर दुर्घटना सामने आई है युवक बुरी तरह से जल गया और इस दुर्घटना में युवक की जान जाते-जाते बच गई फिलहाल इस मामले में कोई शिकायत मुंब्रा पुलिस स्टेशन में नहीं की गई है।

महाराष्ट्र में 9 लोगों ने खुदकुशी नहीं की थी

खजाने के लिए तांत्रिक बुलाया, उसने सभी को जहरीली चाय दी, 2 घरों से मिले थे शव

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के सांगली जिले में 20 जून को एक ही परिवार के 9 लोगों के शव मिले थे। ये मौतें म्हईसाल गांव में दो भाइयों के परिवार में हुई थीं। शुरूआती जांच में पता चला था कि परिवार कर्ज में डूबा था, इसलिए आत्महत्या की आशंका जताई गई थी। पुलिस जांच में आई नई जानकारी के मुताबिक, परिवार को एक तांत्रिक और उसके ड्राइवर ने जहर देकर मारा था। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके खिलाफ आईपीसी की धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी अब्बास मोहम्मद अली बागवान 19 जून को अपने ड्राइवर धीरज चंद्रकांत सुरवशे के साथ म्हैसल गांव में वनमोरे बंधुओं के घर पहुंचा। यहां तांत्रिक ने छिपे हुए खजाने को खोजने का लालच देकर तंत्र-मंत्र की शुरूआत की। इस दौरान परिवार के सभी 9 सदस्यों को घर छत पर भेज दिया। उन्हें बारी-बारी से नीचे बुलाया और चाय पीने को कहा। दोनों भाइयों के परिवार अगल-बगल के घरों में ही रहते थे। इनमें एक शिक्षक और दूसरा पशु चिकित्सक था। दोनों भाईयों के परिवार आमतौर पर सुबह जल्दी जाग जाते थे, लेकिन उस दिन देर सुबह तक दोनों घरों के दरवाजे नहीं खुले तो ग्रामीणों को शक हुआ। इस दौरान पड़ोसियों ने परिवार के कई सदस्यों से मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की। जब किसी ने भी कॉल रिसीव नहीं किया तो अनहोनी की आशंका पर घर की तलाशी ली गई। इस दौरान परिवार के सभी सदस्यों को मृत देखा और पुलिस को सूचना की।

मुंबई के समंदर में ओएनजीसी के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से बड़ी घटना सामने आई है। तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड के एक हेलीकॉप्टर में मंगलवार को तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद हेलीकॉप्टर इमरजेंसी में अरब सागर में कंपनी के एक रिग के पास उतरा। ओएनजीसी के इस हेलीकॉप्टर में दो पायलट सहित नौ लोग सवार थे। ओएनजीसी के एक अधिकारी ने बताया कि अब तक नौ में

से छह लोगों को बचाया गया है। हेलीकॉप्टर में ओएनजीसी के छह कर्मचारी सवार थे और एक व्यक्ति कंपनी के साथ काम करने वाले ठेकेदार से संबंधित था। हेलीकॉप्टर को आपातकालीन स्थिति में उतरने के लिए फ्लोटर्स का उपयोग करना पड़ा, जो ऐसे तांबे से जुड़े होते हैं, जो कर्मचारियों और सामान को किनारे से समुद्र में तट से दूर प्रतिष्ठानों तक ले जाते हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि किन परिस्थितियों के कारण आपातकालीन लैंडिंग हुई।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

नासिर अंसारी को मुंबई बेकर्स एसोसिएशन का चुना गया प्रेसिडेंट

जी हां आज हम बात कर रहे है मुंबई की लाइफ लाइन कहे जाने वाले वड़ा पाव की, वड़ा पाव गरीब अमीर सभी खाते हैं लेकिन आपने कभी सोचा की सभी घरेलू खाने पीने की चीजों के साथ पाव और बेकरी के सामान आज भी पुराने रेट पर आपको मिल रहे है, आपको बता दें की मुंबई का बेकरी उद्योग इस वक्त मंहगाई और बुरे संकट के दौर से गुजर रहा है। आज भी पुराने मूल्य पर सभी बेकर उत्पाद आपको उपलब्ध कराते हैं। आज इस मुद्दे को लेकर मुंबई के गांधी हाल बांद्रा में एक सभा का आयोजन किया गया, जहां मुंबई के सभी बेकर पहुंचे और इस महंगाई और मूल्य सही मिलने के लिए आवाज उठाई। इस सभी बेकर्स का कहना है कि सभी को एक समान रेट मिलना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो मजबूरन कितनी बेकरी बंद हो सकती है। गरीब लोगों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो जायेगा। इस मुद्दे पर काफी बहस हुई, सभी बेकर्स ने मीडिया के सामने अपनी बाते रखी अपने विचार व्यक्त किए और सभी की सहमति से एक युवा लीडर नासिर अंसारी को मुंबई बेकर्स एसोसिएशन का प्रेसिडेंट चुना गया। नासिर का कहना है कि मैं सबको भरोसा दिलाता हूं जितना हो सकेगा बेकरी उद्योग को बचाया जायेगा और इनको सही बढ़ा हुआ मूल्य जो इनकी मांग है उस पर विचार किया जाएगा। जल्द ही यह समास्या समाप्त हो जायेगी, ताकि मुंबई की लाइफ लाइन कहे जाने वाले वड़ा पाव आम लोगो तक पहुंच सके ये हमारा उद्देश्य है।

अवैध निर्माणकर्ताओं का सबसे पसंदीदा अधिकारी मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर

भ्रष्ट सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर के आदेशों पर सबसे बड़ा भूमाफिया रफीक राजस्थानी खुलेआम बेखौफ कर रहा है अवैध निर्माण का कार्य। इस अवैध निर्माण कार्य के बारे में कई बार मनपा बी/वार्ड में शिकायत पत्र दिया गया, लेकिन शिकायत पत्र देने के बावजूद मनपा बी/वार्ड में बेखौफ भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा आज भी अवैध निर्माण कार्य चालू है। मनपा बी/वार्ड के अंतर्गत हो रहे इस अवैध निर्माण कार्य की शिकायत अगर आप म्हाडा में करने जायेंगे तो म्हाडा के अधिकारियों द्वारा कहा जाता है कि यह मनपा का काम है और अगर मनपा में जायेंगे तो मनपा के अधिकारी कहते हैं इस निर्माण को म्हाडा से परमीशन मिला हुआ है, शिकायतकर्ता को म्हाडा और मनपा के अधिकारी गुमराह करते हुये एक दूसरे पर जिम्मेदारी थोंप देते हैं, सवाल यह है कि जिस निर्माण को परमीशन मिला ही नहीं है तो उसे कैसे निर्माण किया जा रहा है? म्हाडा और मनपा की मिलीभगत से बेकसूर जनता का जानलेवा अवैध निर्माण बिल्डिंग का कार्य जोरों शोरों से किया जा रहा है। बता दें कि भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बनाई जा रही अवैध बिल्डिंग पूरे लोहे के एंगल पर बनाई जा रही है, और पूरी बिल्डिंग ओवरलोड हो चुकी है और इस वक्त बारिश का मौसम है जिसके कारण कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है, जिसमें हजारों बेगुनाह बेमौत मारे जा सकते हैं, लेकिन मनपा बी/वार्ड के सबसे भ्रष्ट दलाल सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर और म्हाडा के अधिकारियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, उन्हें मतलब है सिर्फ भ्रष्टाचार के पैसों से। बता दें कि सूत्रों द्वारा पता चला है कि भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बी/वार्ड में किये जा रहे अवैध निर्माणों का पैसा मनपा बी/वार्ड के अधिकारी किरण दास और विशाल साखरकर द्वारा मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर तक पहुंचाया जाता है।

संजय राउत की ईडी के सामने 1 जुलाई को पेशी

उनके वकील ने मुंबई ईडी ऑफिस जाकर पेशी के लिए मोहलत मांगी थी। राउत के वकील विकास ने मंगलवार को कहा कि ईडी का समन सोमवार को संजय राउत को मिला था, लेकिन यह बहुत लेट आया था। ईडी ने कुछ डॉक्यूमेंट मांगे थे, लेकिन इतने कम समय में डॉक्यूमेंट लाना मुश्किल है। हमें मोहलत मिल गई है। उधर, नोटिस मिलने के बाद संजय राउत ने अलीबाग में एक मीटिंग का हवाला देते हुए पेश होने में असमर्थता जताई थी। ईडी ने 1,034 करोड़ रुपए के पात्रा चॉल भूमि घोटाला मामले में महाराष्ट्र के बिजनेसमैन और राउत के करीबी प्रवीण राउत को फरवरी में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद इस केस में संजय राउत का नाम भी जुड़ा। 5 अप्रैल को ईडी ने इसी मामले में राउत के अलीबाग वाले प्लॉट के साथ दादर व मुंबई में एक-एक फ्लैट को भी कुर्क कर लिया था। जब ईडी ने प्रवीण को पकड़ा तो संजय राउत का नाम सामने आया।

दीपक कदम द्वारा निर्देशित फिल्म 'पुरषा' ने 3 सांस्कृतिक कलादर्पण पुरस्कार जीते

हर साल सर्वश्रेष्ठ कलात्मक सिनेमा का पुरस्कार संस्कृत कलादर्पण द्वारा दिया जाता है। इस साल यह अवॉर्ड पुरसा सिनेमा को दिया गया है। दीपक कदम द्वारा निर्देशित, 'पुरषा' ने 3 सांस्कृतिक कलादर्पण पुरस्कार जीते, सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार श्री विजय कदम जी को और सर्वश्रेष्ठ खलनायक का पुरस्कार अंकिता भोइर को मिला। यह केवल मराठी चैनल पर जून में दोपहर 12 बजे और शाम 6 बजे दिखाया जाएगा। 'पुरषा' सर्वश्रेष्ठ आकर्षक फिल्म सांस्कृतिक कलादर्पण को प्रतिष्ठित मोहत्सव में लगभग 125 फिल्मों से सम्मानित किया गया, जिसमें से मेरी फिल्म 'पुरषा' को 6 रेटिंग के साथ चुना गया था। 1) सर्वश्रेष्ठ संवाद - राजेश मालवणकर, 2) सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता - विजय जी कदम, 3) सर्वश्रेष्ठ खलनायक - अंकिता भोइर, 4) सर्वश्रेष्ठ खलनायक - सुप्रीति शिवलकर (दोनों के लिए रेटिंग), 6) सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट फिल्म - 'पुरषा' ने 3 पुरस्कार जीते 6 रेटिंग में से। दीपक कदम (जन्म 5 जनवरी) विभिन्न वीडियो एल्बम, विज्ञापनों, टीवी श्रृंखला और मराठी फीचर फिल्मों के निर्देशक और निर्देशक हैं। मुंबई में जन्मे और पले-बढ़े, महाराष्ट्र ने मुंबई विश्वविद्यालय से कला में डिग्री हासिल की है। वह मराठी थिएटर और फीचर फिल्मों में कई वर्षों के अनुभव के साथ एक निर्देशक और अभिनेता बन गए। उनकी आने वाली फिल्म वाक्या को नवी मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किया गया। 'एनआईएफएफ' में 'सर्वश्रेष्ठ सामाजिक मुद्दे फिल्म पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया। फिल्म सावन संस्कृति कला दर्पण को नामांकन मिला। फिल्म को बाद में महाराष्ट्र सरकार पुरस्कार के लिए चुना गया था। मेघा स्टार की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कॉरपोरेटर वन हीरो' 31 मार्च 2017 को सफलतापूर्वक रिलीज हुई 13 अक्टूबर 2017 वाक्य 21 पुरस्कार विजेता फिल्म रिलीज हुई... और 'एट्टोसिटी' ब्लॉकबस्टर फिल्म 23 फरवरी 2018 को रिलीज हुई थी।

3 राजनीतिक दलों ने चंदे के नाम पर 1000 करोड़ डकारे

संवाददाता / नई दिल्ली

चुनावी समय में राजनीतिक दलों को विभिन्न स्रोतों से चंदा मिलता है, लेकिन कई बार इस चंदेको लेकर अनियमितताएं भी सामने आती हैं। कम लोकप्रिय इन 3 छोटी राजनीतिक पार्टियों ने पहले चुनावी चंदे के रूप में 1000 करोड़ रुपए से अधिक जुटाए। इन पर आरोप है कि इन्होंने वित्तीय घोटाला करते हुए इस पैसे को उसे देने वालों की ओर से इनकम टैक्स में छूट हासिल करने के बाद उसे वापस कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार अब ये तीनों राजनीतिक दल जांच एजेंसी की रडार पर हैं। इनमें गुजरात की मानव अधिकार नेशनल पार्टी, उत्तर प्रदेश की अपना देश पार्टी और बिहार की किसान पार्टी ऑफ इंडिया हैं। इन तीनों दलों पर अब राजस्व विभाग और चुनाव आयोग की नजरें हैं। अब मामले को अब चुनावी पैनल की ओर से सरकार के पासकार्रवाई के लिए भेज दिया गया है।

पैसे की हेराफेरी का आरोप

रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और अन्य राजनीतिक दलों की और प्राप्त चंदे को इनकम टैक्स से सौ फीसदी की छूट प्राप्त होती है। वहीं इनकी जांच में पता चलता है कि इन्होंने इनकम टैक्स में छूट भी हासिल की। उन पर आरोप है कि उन्होंने बड़े पैमाने पर पैसे हासिल करने के बाद उसे उनको देने वालों को वापस भी लौटाया।पैसे को गैर चुनावी खर्च में भी लगाने का आरोप है। जांच में यह बात भी सामने आई है कि पैसे को डोनेशन या चंदे के रूप में लिया गया और बाद में उसे देनदाताओं को वापस कर दिया गया। दावा किया गया है कि इस घोटाले में कुछ चार्टर्ड अकाउंटेंट के साथ ही 25 लोग शामिल हैं।

30 साल के आकाश अंबानी को जिओ की कमानः 65 साल के मुकेश का डायरेक्टर पद से इस्तीफा

मुंबई। दुनिया के सबसे अमीर बिजनेसमैनों में से एक मुकेश अंबानी अपने साम्राज्य को अगली पीढ़ी को सौंपने के प्लान पर काम कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि पिता धीरूभाई अंबानी के निधन के बाद भाई अनिल अंबानी से हिस्सेदारी के बंटवारे को लेकर जो विवाद हुआ था, वैसा उनके बच्चों के बीच न हो। ऐसे में मंगलवार को मुकेश अंबानी ने रिलायंस जियो के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। रिलायंस जियो के बोर्ड ने उनके बेटे आकाश अंबानी की बोर्ड के चेयरमैन पद पर नियुक्ति को मंजूरी दी है। पंकज मोहन पवार कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) का पद संभालेंगे। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग 27 जून को हुई थी जिसमें ये फैसले लिए गए हैं। कंपनी के एडिशनल डायरेक्टर के रूप में रामिंदर सिंह गुजराल और केवी चौधरी की नियुक्ति को भी बोर्ड ने मंजूरी दी है। ये अपॉइंटमेंट 27 जून 2022 से 5 सालों के लिए है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की नींव धीरूभाई अंबानी ने रखी थी। उनका जन्म 28 दिसंबर 1933 को सौराष्ट्र के जूनागढ़ जिले में हुआ था। धीरूभाई का पूरा नाम धीरजलाल हीराचंद अंबानी हैं। उन्होंने जब बिजनेस की दुनिया में कदम रखा तो न उनके पास पुश्तैनी संपत्ति थी और न ही बैंक बैलेंस। धीरूभाई की 1955 में कोकिलाबेन से शादी हुई थी। उनके दो बेटे मुकेश-अनिल और दो बेटी दीप्ती और नीना हैं।

शिंदे गुट के मंत्रियों पर ठाकरे सरकार ने की आधी कार्रवाई

जिम्मेदारियां लीं वापस लेकिन मंत्रीपद नहीं लिया, अब भी सुलह की उम्मीद

संवाददाता / मुंबई

महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने गुवाहाटी के होटल में ठहरे हुए एकनाथ शिंदे गुट के नौ बागी मंत्रियों के विभाग अन्य मंत्रियों को आवंटित कर दिए हैं। इन नौ मंत्रियों में एकनाथ भी हैं। इस कार्रवाई को लेकर आधिकारिक बयान के अनुसार बागी मंत्रियों के विभाग अन्य मंत्रियों को इसलिए दिए जा रहे हैं ताकि प्रशासन चलाने में आसानी हो और जनहित के कामों में रुकावटें ना आएं।

महा विकास आघाड़ी सरकार ने इन मंत्रियों से मंत्री पद वापस नहीं लिया है। सिर्फ उनके कामों और जिम्मेदारियों को अन्य मंत्रियों को सौंपा गया है। इस फैसले को उद्धव की ओर से बागियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है, लेकिन मंत्रिपद नहीं लिया जाना इस बात का संकेत है कि सीएम बागियों के साथ ज्यादा सख्त होने से बचना चाह रहे हैं। ठाकरे को उम्मीद है कि बागी मंत्री और विधायक जब मुंबई लौटेंगे तो सुलह का रास्ता निकलेगा। शिंदे गुट द्वारा राज्यपाल और सुप्रीम कोर्ट में यह दावा किए जाने के बाद किया गया कि ठाकरे सरकार के 39 मंत्रियों ने समर्थन वापस ले लिया है और इस वक्त आघाड़ी सरकार अल्पमत में है।

एकनाथ शिंदे नगर विकास मंत्री हैं उनका विभाग उद्योग मंत्री सुभाष देसाई को दिया गया है, गुलाब राव पाटील का विभाग परिवहन मंत्री अनिल परब को, कृषि मंत्री दादा भुसे का विभाग शंकरराव गडाख को, गृहराज्य मंत्री शंभूराज देसाई का विभाग संजय बनसोडे को दिया गया है

सामंत का विभाग अब आदित्य को दिया

एकनाथ गर विकास मंत्री हैं उनका विभाग उद्योग मंत्री सुभाष देसाई देखेंगे। गुलाब राव पाटील का जल आपूर्ति विभाग परिवहन मंत्री अनिल परब के पास चला गया है। कृषि मंत्री दादा भुसे का विभाग शंकरराव गडाख को दिया गया है।वहीं, गृहराज्य मंत्री शंभूराज देसाई का विभाग संजय बनसोडे को दिया गया है जबकि बच्चू कडू का विभाग अदिति तटकरे को दिया गया है। उधर, अब्दुल सत्तार का विभाग प्राजक्ता तानपुरे को दिया गया है।इसके अलावा उच्च शिक्षा मंत्री उदय सामंत का विभाग अब आदित्य ठाकरे देखेंगे।

जनता के चुने मंत्रियों में केवल आदित्य बचे

आघाड़ी सरकार में शिवसेना के 12 थे। इनमें से 9 विधानसभा के और 3 विधानपरिषद के सदस्य हैं। इन 12 मंत्रियों में से 8 मंत्री शिंदे गुट में शामिल हो चुके हैं। बचे हुए 4 मंत्रियों में आदित्य ठाकरे, अनिल परब, सुभाष देसाई और शंकरराव गडाख हैं। केवल आदित्य विधानसभा के सदस्य हैं। बाकी तीन विधानपरिषद के सदस्य हैं।कुल जमा आदित्य को छोड़ कर जनता द्वारा चुने गए सारे मंत्री इस वक्त शिंदे गुट में शामिल हो चुके हैं।

बागियों पर कार्रवाई जल्द होगी

राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कहा आघाड़ी सरकार ने गुवाहाटी में बागी नेता शिंदे के खेमे में शामिल मंत्रियों को बर्खास्त करने की तैयारी कर ली है। सहयोगियों ने कार्रवाई करने का अधिकार दिया है।

आदित्य का दावा

दगाबाज कभी नहीं जीत सकते

महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट को लेकर बागियों पर जमकर निशाना साधा। आदित्य ने कहा कि जो लोग मान गए और खुद को बागी बता रहे हैं, अगर उन्हें बगावत करनी थी तो यहां करना चाहिए था। उन्हें इस्तीफा देकर चुनाव लड़ना चाहिए था। प्लेयर टेस्ट तब होगा जब वे मेरे सामने बैठेंगे, मेरी आंखों में देखेंगे और बताएंगे कि हमने क्या गलत किया है? हमें जीत का पूरा भरोसा है। विश्वासघात करने वाले, दगाबाज कभी जीत नहीं सकते।ष जो मागते हैं वे जीतते नहीं हैं।

गुवाहाटी के होटल की बुकिंग 12 जुलाई तक बढ़ाई गई

शिवसेना के बागी विधायकों को 12 जुलाई तक गुवाहाटी में ही रखने की तैयारी है। गुवाहाटी के जिस होटल में शिंदे गुट के विधायक ठहरे हुए हैं, उसकी बुकिंग 12 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी गई है। इस तारीख तक होटल में आम लोगों के लिए कोई भी रूम उपलब्ध नहीं है। सुप्रीम कोर्ट बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने वाले डिप्टी स्पीकर के नोटिस पर जवाब देने पर 11 जुलाई को सुनवाई करेगा।

भाजपा ने अपने विधायकों को 29 जून को मुंबई बुलाया

इधर, महाराष्ट्र भाजपा ने अपने सभी विधायकों को 29 जून तक मुंबई पहुंचने को कहा है। पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सागर बंगले पर भाजपा कोर ग्रुप की सोमवार शाम को हुई मीटिंग के बाद विधायकों के लिए यह फरमान जारी किया गया। इससे पहले पार्टी के सीनियर लीडर्स ने सियासी हालात पर चर्चा की और सुप्रीम कोर्ट के फैसले तक वेट एंड वॉच की रणनीति अपनाने का फैसला किया।

अमेरिका में ट्रक में 46 प्रवासियों के शव मिलेः 100 लोगों को ठूंस-ठूंसकर भरा था, मेक्सिको से छिपाकर टेक्सास लाया जा रहा था

वॉशिंगटन। अमेरिका के टेक्सास में सोमवार को रोड किनारे खड़े एक ट्रक में 46 प्रवासियों के शव मिले। ट्रक में 100 से अधिक लोगों ठूंस-ठूंसकर कर भरा गया था। जानकारी के मुताबिक, 16 लोगों को अस्पताल में एडमिट कराया गया है, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इनमें 4 बच्चे भी शामिल हैं। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची और इन्हें निकाला तो इनकी चमड़ी गर्म थी। बताया जा रहा है कि अधिक गर्मी से ट्रक के कंटेनर का तापमान बढ़ गया और लोग हीट स्ट्रोक का शिकार हो गए। 18 पहियों वाला यह ट्रक टेक्सास के सैन एंटोनियो शहर में मिला है। इसके जरिए अवैध तौर पर बॉर्डर पार कराया जा रहा था। सैन एंटोनियो शहर टेक्सास- मैक्सिको बॉर्डर से करीब 250 किमी दूर है। फायर सर्विस के एक अधिकारी के मुताबिक, ट्रक कंटेनर के दरवाजे आधे खुले हुए थे। इसके अंदर वेंटिलेशन के लिए कोई जगह नहीं थी और कंटेनर में पानी की भी सुविधा नहीं थी। 3 पीड़ितों की हालत स्थिर बताई जा रही है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने इन मौतों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को जिम्मेदार ठहराया है। एबॉट ने कहा कि यह मौतें घातक ओपेन बॉर्डर पॉलिसी की वजह से हुई हैं। गर्मियों के महीनों में एंटोनियो शहर का तापमान काफी बढ़ जाता है। सोमवार को यहां 39.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के पिता का आरोप वकील बेटे का नही लड़ रहे केस

नई दिल्ली। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के पिता ने गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में अपने बेटे के ट्रांजिट रिमांड सहित विभिन्न आदेशों को चुनौती देते हुए सोमवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया तथा शिकायत की कि पंजाब में वकील उनके बेटे का बहिष्कार कर रहे हैं और उसका मुकदमा लड़ने के इच्छुक नहीं हैं। बिश्नोई के पिता की ओर से पेश अधिवक्ता संग्राम सिंह सरोन ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. बी. परदीवाला की खंडपीठ को अवगत कराया कि उन्होंने दिल्ली की एक अदालत के ट्रांजिट रिमांड आदेश को चुनौती दी है, लेकिन पंजाब की मानसा अदालत में कोई भी वकील बिश्नोई का मुकदमा नहीं लड़ना चाहता। उन्होंने कहा कि बिश्नोई ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश को भी चुनौती दी है लेकिन उनकी ओर से कोई वकील खड़ा नहीं होना चाहता है, इसलिए उन्होंने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। खंडपीठ ने कहा कि यह पूरी तरह से गैर-न्यायोचित है और बिश्नोई को कानूनी सहायता के लिए वकील उपलब्ध कराने के वास्ते याचिकाकर्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

भारत में 2029-30 तक होंगे करीब 2.35 करोड़ गिग कर्मचारी

संवाददाता / नई दिल्ली

तय अवधि के लिए निश्चित भुगतान पर काम करने वाले 'गिग' कर्मचारियों की संख्या भारत में वर्ष 2029-30 तक बढ़कर 2.35 करोड़ हो जाने की उम्मीद है जबकि वर्ष 2020-21 में यह संख्या 77 लाख थी। नीति आयोग की एक रिपोर्ट में सोमवार को यह अनुमान जताया गया।

- रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020-21 में गिग कर्मचारियों की संख्या 77 लाख थी

इस रिपोर्ट में अंशकालिक समय के लिए काम करने वाले गिग कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने की सिफारिश भी की गई है। 'भारत की तेजी से बढ़ती गिग एवं प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2029-30 तक गिग कर्मचारियों की संख्या गैर-कृषि कार्यबल का 6.7 प्रतिशत और भारत में कुल आजीविका का 4.1 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार गिग कर्मचारी वे होते हैं जो निश्चित भुगतान पर काम करते हैं

47 फीसदी गिग वर्कर मीडियम स्किल जॉब में

वर्तमान में 47 प्रतिशत गिग वर्कर मीडियम स्किल जॉब में हैं, जबकि 22 प्रतिशत हाई स्किल और 31 प्रतिशत लो स्किल जॉब में हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट में गिग वर्कर्स और उनके परिजनों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए भी जुझावद दिए गए हैं। नीति आयोग की यह रिपोर्ट सोमवार को आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, सीईओ अमिताभ कांत और विशेष सचिव डॉ. के. राजेश्वर राव ने जारी की है।

सत्यमेव जयते
नीति आयोग

लचीली कार्य पद्धति पसंद करते हैं

गिग कर्मचारी आमतौर पर लचीली कार्य-पद्धति पसंद करते हैं और निम्न से मध्यम स्तर की शिक्षा वाले होते हैं। गिग कार्य के जरिए होने वाली आय उनकी प्राथमिक आय नहीं होती है और वे अक्सर साथ में नियमित नौकरी भी कर रहे होते हैं। नीति आयोग की इस रिपोर्ट में यह अनुमान भी जताया गया है कि 2020-21 में 77 लाख कामगार गिग अर्थव्यवस्था में शामिल थे।

गिग कर्मी दो वर्गों में वर्गीकृत

गिग कर्मचारियों को मोटे तौर पर प्लेटफॉर्म और गैर-प्लेटफॉर्म कर्मचारियों में वर्गीकृत किया जाता है। प्लेटफॉर्म कर्मचारियों का काम ऑनलाइन सॉफ्टवेयर ऐप या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित होता है, जबकि गैर-प्लेटफॉर्म गिग कर्मचारी आमतौर पर दैनिक वेतन वाले श्रमिक होते हैं जो अल्पकालिक या पूर्णकालिक काम करते हैं।

26.6 लाख गिग वर्कर रिटेल व सेल्स क्षेत्र में

ये कर्मचारी मुख्य रूप से खुदरा व्यापार और बिक्री तथा परिवहन क्षेत्र में थे। इसके अलावा विनिर्माण और वित्त तथा बीमा गतिविधियों में भी इनकी उल्लेखनीय भूमिका थी। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार लगभग 26.6 लाख गिग वर्कर रिटेल, ट्रेड और सेल्स के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, जबकि 13 लाख लोग ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर में काम कर रहे हैं। इसके अलावे 6.3 लाख लोग निर्माण और 6.2 लाख लोग बीमा और फाइनेंस सेक्टर से जुड़े हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मोदी–शाह के शासन में जितने बड़े पैमाने पर पत्रकारों पर सरकार की ओर से हमले हुए हैं, उतने तो घोषित आपातकाल में भी नहीं हुए थे : सुरेन्द्र

पत्रकार जुबैर, तीस्ता सेतलवाड़ और आर. श्रीकुमार को बिना शर्त रिहा करे सरकारः बंदना सिंह

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। राजनीतिक दुर्भावना से ग्रसित होकर पत्रकार मोहम्मद जुबैर, मानवाधिकार कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ एवं आरबी श्रीकुमार को गिरफ्तार किये जाने के खिलाफ भाकपा माले ने प्रतिरोध मार्च निकालकर गिरफ्तार लोगों की रिहाई की मांग की। उक्त मांगों को लेकर भाकपा माले के झंडे, बैनर एवं मांगों से संबंधित नारे लिखे तख्तियां हाथों में लेकर कार्यकर्ताओं ने शहर के मालगोदाम चौक से मार्च निकाला. नारे लगाते हुए बाजार क्षेत्र के विभिन्न भागों से गुजरते हुए मार्च स्टेशन चौराहा पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता स्थाई जिला समिति सदस्य सुरेन्द्र प्रसाद सिंह ने किया। ललन कुमार, अनील चौधरी, राज कुमार चौधरी, अरूण राय, उमेश राय, बंदना सिंह, रामलाल राम, जयंत कुमार, मो० अलाउद्दीन आदि ने सभा को संबोधित किया। भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य बंदना सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी- शाह शासन काल में पत्रकार, बुद्धिजीवी, कवि, लेखक एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता पर जितने हमले हुए उतने हमले घोषित आपातकाल में भी नहीं हुए थे। उन्होंने कहा कि संघ- भाजपा की मोदी सरकार सच लिखने, बोलने से डरती है। इसलिए सरकारी ऐसे कार्यकर्ताओं को बेवजह गिरफ्तार कर जेल में डाल रही है। सरेआम लोकतंत्र एवं संविधान की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है। लेकिन लोकतांत्रिक देश भारत इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। इसके खिलाफ जनता लड़ रही है और इस लड़ाई को तेज कर जनविरोधी सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया जाएगा।

कानपुर के बंसठी में भी होते बचा सांप्रदायिक बवाल, फोर्स तैनात

धार्मिक स्थल का रंग बदलने को लेकर सामने आए दो संप्रदाय

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां कानपुर शहर की परेड में हुई हिंसा पर पूर्ण नियंत्रण पाने के बाद आउटर जिले की चौबेपुर थाने के अंतर्गत बंसठी गांव में भी सांप्रदायिक बवाल होते होते बाल-बाल बच गया। सूचना पर पहुंचे अधिकारियों ने मामले को शांत कराने के बाद वहां बड़ी संख्या में फोर्स भी तैनात कर दिया है। घटनाक्रम के बारे में प्राप्त विवरण के मुताबिक वंशी गांव में बहुत पुराना धार्मिक स्थल बना हुआ है। यहां दोनों ही संप्रदायों के लोग पूजा-पाठ और इबादत करते हैं। बीते सोमवार की

रात को किसी धार्मिक स्थल चबूतरे का एक वर्ग ने पुताई करके उसका रंग बदल दिया उसका रंग बदल दिया। इसकी जानकारी जब दूसरे संप्रदाय के लोगों को हुई तो वह चबूतरे की पुताई करने वाले लोगों के खिलाफ भड़क उठे इसके पहले कि मामला और तूल पकड़ पाता। इसकी सूचना पुलिस अधिकारियों को मिल गई और उन्होंने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझा बुझाकर शांत कराया। यही नहीं इसके लिए पुलिस को चबूतरे की पुताई को पूर्ववत स्थित में भी लाना पड़ा। फिलहाल तनाव को देखते हुए गांव में बड़ी संख्या में फोर्स भी तैनात कर दी गई है वहीं पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी हालातों पर नजर रखे हुए हैं।

पश्चिम बंगाल हज कमेटी की सेवा सरहानिय : 9,400 हज यात्रियों व अतिथियों के लिए लगे है 1500 वोलंटियर तथा 10 समाजिक संस्था

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

वेस्ट बंगाल, कोलकाता। भारत में दो साल के बाद करीब 79 हजार 324 यात्रियों का हज के पाक सफर का सपना पूरा हो रहा है। इस पाक सफर का वेक्सिनेशन की दोनो डोज लगवाने और आरटी पीसीआर टेस्ट के बाद यात्रा पर जा रहे है। प्रत्येक वर्ष के भाती इस वर्ष अत्याधिक भी सुसज्जित व सुविधा के साथ पश्चिम बंगाल हज कमेटी द्वारा इंतजाम किया गया है। बताते चले की इस बार पश्चिम बंगाल हज कमेटी को पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा,असम, मणिपुर तथा त्रिपुरा राज्य के हज यात्रियों की जिम्मेवारी है, कई जत्था की रवानगी हो चुकी है व 1 तारीख तक सभी को जत्था के रूप में रवाना किया जायेगा। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार पश्चिम बंगाल के 5209, झारखण्ड के 1439, बिहार के 1890, उड़ीसा के 382, असम के 87, मणिपुर के 293 और त्रिपुरा के 100 हज यात्री है जो पश्चिम बंगाल हज कमेटी के माध्यम से रवाना हो रहे है, हज यात्रियों व उसके साथ विभिन्न राज्य से आए लोगो के लिए अलग अलग रहने, पीने का पानी, सुलभ शौचालय, स्नानागार आदि का इंतजाम किया गया है जिसके लिए 1500 विलंटियर तथा 10 समाजिक संस्था सेवार्थ में लगे हुवे है।

उद्धव ठाकरे के समर्थन में बुलढाणा शिवसेना का सम्मेलन

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद राज्य में सियासी भूचाल आ गया है। इसलिए पूरे राज्य में शिवसैनिकों का विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। शिवसेना विधायक मंत्री एकनाथ शिंदे ने पार्टी के साथ बगावत कर करीब 40 शिवसेना विधायकों को अपने गुट शामिल कर लिया है इनमें बुलढाणा विधानसभा चुनाव क्षेत्र के विधायक संजय मायकबाड़ तथा मेहकर के डॉ. संजय रायमूलकर भी शामिल है। दिन पहले बुलडाना में शिंदे सेना के समर्थन में इस रैली मके जवाब में शिवसेना के समर्थन में स्टेट बैंक चौक तक रैली निकाली गई। इस बीच एक इतिहास है कि शिवसेना के खिलाफ बगावत करने वालों की राजनीति खत्म हो गई है। इस मेळावे में नजर आया ।गर्दे वाचनालय के हाल में आयोजित सभा में जिले के बड़ी संख्या में शिवसैनिक शामिल

हुए। लेकिन खा. प्रतापराव जाधव रैली के समय अनुपस्थित थे, उन्होंने अपने मोबाइल पर संवाद कर अपनी भूमिका स्पष्ट की। इस बीच इस रैली से शिवसेना पार्टी के तहत जिले में माहौल बदल गया है। इस मेळावे में शिवसेना किसकी तरफ है? मौजूदा कार्यकर्ताओं ने कार्रवाई में सवालों के जवाब दिए। प्रश्न शिवसेना मेळाबे में जिल्हाप्रमुख जालिंदर बुधवत, शांताराम दाणे, सहसंपर्क प्रमुख प्रा. नरेंद्र खेडेकर, दत्ता पाटील, महिला आघाडी जिल्हाप्रमुख चंदाताई बढे माजी जिल्हाप्रमुख धीरज लिंगाडे, माजी नगराध्यक्ष छगन मेहेत्रे, वसंतराव भोजने , बाबुराव मोरे, दीपक बोरकर शिवाजीराव देशमुख , रामदास चौथनकर, लखन गाडेकर, संतोष डिवरे विजय साठे, कपिल खेडेकर सहित अन्य सभी उपस्थित थे।इस मौके पर शिवसैनिकों ने पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के समर्थन से हाथ उठाकर इस बात की गवाही दी कि जिले में अंत तक शिवसैनिक रहेंगे। हालांकि एकनाथ शिंदे की बगावत में बुलडाना जिले के दो विधायक हैं। लेकिन शिव सैनिको ने इस बात की गवाही दी है कि शिवसेना के कोर शिव सैनिक पार्टी प्रमुख के साथ हैं। इस मौके पर दत्ता पाटील, शांताराम दाणे, बाबुराव मोरे, छगन मेहेत्रे , डॉ . मधुसूदन सावळे , चंदाताई बढे इंगळे और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भाषण दिए गए थे। सिंदखेड राजा के जुने शिवसेन के पदाधिकारी छगन मेहेत्रे भी आक्रामक भाषण दिया। इस बीच, रैली के बाद शिवसैनिकों ने गर्दे वाचनालय से स्टेट बैंक चौक तक रैली की और शिवसेना प्रमुख और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अपना समर्थन दिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्किन को रखना हैं टैन फ्री तो फॉलो करें ये 4 आसान टिप्स

चिलचिलाती धूप में आप खुद को कितना भी कवर क्यों ना कर लें आपकी स्किन टैनिंग की शिकार हो ही जाती हैं। टैनिंग होगी तो स्किन का ग्लो गायब हो जाएगा और डलनेस साफ दिखाई देने लगती है लेकिन इस बात के लिए आप रोज - रोज पार्लर भी नहीं जा सकती ऐसे में कुछ घरेलू ब्यूटी टिप्स आपके बहुत काम आते हैं। इसमें आपके ना तो ज्यादा पैसे खर्च होते हैं और ना ही समय की बबार्दी होती हैं। ऐसा ही गजब के ब्यूटी सीक्रेट्स आज हम आपको बताने जा रहे हैं जिसे अगर आप रोजाना अप्लाई करेंगे तो स्किन टैनिंग भी नहीं होगी और चमक भी बरकरार रहेगी।

1. खीरा

खीरे को कद्दुकस करें और आधा चम्मच दूध या मिल्क पाऊडर इसमें अच्छे से मिलाएं। इसमें आप नींबू के रस की कुछ बूंदें डाल सकते हैं। इस पेस्ट को टैनिंग वाली जगह पर लगाएं और सूखने तक का इंतजार करें। सामान्य पानी में इसे धो लें। हफ्ते में ऐसा एक बार जरूर करें।

2. मेकअप रिमूव करके सोएं

बहुत सारी लड़कियां सुबह मेकअप करती तो हैं लेकिन रात को स्किन साफ करना भूल जाती हैं। अगर आप ग्लोइंग और फ्रैश स्किन चाहती हैं तो गंदी और मेकअप वाली स्किन को साफ करना ना भूलें।

3. अच्छी डाइट अच्छी और हेल्दी होगी तो स्किन

अपने आप हैल्दी रहेगी। पत्तेदार सब्जियां फलों का ज्यादा सेवन करें क्योंकि इसमें भरपूर फाइबर मौजूद होता है जो रोगों से लड़ने की क्षमता रखता है। यह कई प्रकार के कैंसर से लड़ने में मददगार होता है। फूलगोभी, पत्तागोभी, टमाटर, एवोकाडो, गाजर जैसे फल और सब्जियां जरूर खाएं।

4. हाइड्रेट के लिए पीएं खूब सारा पानी

बॉडी को सिर्फ बाहर से ही साफ ना रखें। बल्कि अंदरूनी गंदगी साफ करना भी बहुत जरूरी हैं। इसके लिए खूब सारी पानी पीएं। यह शरीर से जहरीले टॉक्सिन को बाहर निकालता हैं जिससे स्किन ग्लोइंग और साफ हो जाती है।

आम को फलों का राजा कहा जाता है। गमीर्यों में आम खाना सभी बहुत पसंद करते हैं। मिठास से भरा रसीला आम खाने में टेस्टी होने साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें फाइबर, पोटेशियम, मैग्निशियम, विटामिन बी-6, विटामिन ए और विटामिन सी आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर के हेल्दी रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें कोलेस्ट्रोल और सोडियम की मात्रा भी कम होती है जो शरीर को स्वस्थ रखते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आम खाने से किन-किन रोगों से बचा जा सकता है।

1. हाई ब्लड प्रेशर- आम हाई ब्लड प्रेशर रोगी के लिए काफी फायदेमंद है क्योंकि इसमें पोटेशियम और मैग्निशियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो उच्च रक्तचाप के नॉर्मल करने में मदद करता है।

2. वजन बढ़ाए- दुबले-पतले लोगों के लिए आम का सेवन काफी अच्छा है। आम में कैलोरी और स्टार्च काफी मात्रा में होती है जो वजन बढ़ाता है।

3. पाचन शक्ति करें मजबूत- आम खाने से शरीर में पेट की समस्याएं अपच और एसीडीटी खत्म होती है और यह पाचन तंत्र को मजबूत करता है।

4. एनिमिया- आम में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से शरीर में खून की कमी बहुत जल्दी पूरी हो जाती है और एनीमिया जैसी बीमारी से बचा जा सकता है।

5. दिमाग करें तेज- मस्तिष्क को स्वस्थ और तेज करने के लिए आम का फल बहुत कारगार उपाय है क्योंकि इसमें विटामिन बी6 भरपूर मात्रा में होता है।

6. डायबिटीज- आम का फल मीठा होने के कारण कुछ लोगों का मानना है कि डायबिटीज के रोगी को इसका सेवन नहीं करना चाहिए लेकिन ऐसा मानना बिल्कुल गलत है। आम का फल ही नहीं इसके पत्ते भी डायबिटीज रोगी के लिए फायदेमंद होते हैं।

7. आंखों के रोग करें दूर- रतौंधी व आंखों में ड्राइनेस से राहत पाने के लिए रोजाना मैंगों जूस पीएं। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करता है।

8. लू से बचाए- गर्मियों में कच्चे आम के जूस में पानी मिला कर पीने में शरीर को ठंडक मिलती है और यह शरीर को गर्म लू से भी बचाता है।

नेल पेंट लगाती है तो आपको जरूर पता होने चाहिए ये Tricks

लड़कियों को अपने ब्यूटी प्रॉडक्ट्स की काफी चिंता होती है। अगर किसी फंक्शन में जाना हो तो कुछ दिनों पहले ही मेकअप प्रॉडक्ट्स खरीद लाती है, ताकि उस दिन किसी तरह की कोई टेंशन न हो। परन्तु कई बार इतनी तैयारियां करने के बावजूद भी कोई न कोई कमी रह ही जाती है। आइलाइनर हो या लिपस्टिक को लेकर दिक्कत आती है तो ब्यूटी से जुड़ी कई ट्रिक्स अपनाते है। अगर आप भी तैयार होते समय अपना समय बचाना चाहती है तो आज हम आपको छोटे-छोटे ब्यूटी हैक्स बताएंगे, जो आपकी रूटीन लाइफ में जरूर काम आएंगे।

1. जाम हुई नेल पॉलिश

अगर आपने किसी फंक्शन में जाना हो और नेल पॉलिश जाम हो जाती है। ऐसे में रूई की मदद से नेलपॉलिश के किनारों पर बोतल के टॉप पर वैसलीन लगाएं। इससे नेल पॉलिश जाम नहीं होगी और आसानी से खुल जाएगी।

2. नेल पॉलिश कैप

नेल पॉलिश की कैप जाम हो गई हो जाए तो एक ग्लास में गर्म पानी ले। फिर नेल पॉलिश को कैप समेत उस पानी में रखें। ध्यान रखें कि नेल पॉलिश पानी में ना डूबे। कुछ मिनट बाद इसे पानी से निकाल लें। फिर कैप को खोले।

3. टेप से नेल आर्ट

अगर आप किसी फंक्शन में जाने के लिए नेल आर्ट करना चाहती है और आपके पास समय भी कम है तो अपनी पसंद का कोई भी कलर लगाए। फिर ट्रांसपेरेंट नेल पेंट का टॉप कोट लगाए। पूरी तरह सूखने के बाद टेप को नाखूनो पर चिपकाएं और अपनी पसंद का कोई भी नेल आर्ट करें।

4. नेल पॉलिश फैलने से रोंके

अगर नेल पॉलिश लगाते समय नाखूनों पर इधर-उधर फैल जाती है तो नाखून के चारों तरफ के आस-पास की स्किन पर वैसलीन की एक

पतली लेयर लगाए। फिर अपनी पसंद की कोई भी नेल पॉलिश लगाए।

5. एयर बबल्स नेल पॉलिश

अगर नेल पॉलिश में एयर बबल्स नहीं बनने देना चाहती तो उसे हिलाने के बजाए हथेलियों में लेकर आगे-पीछे घूमाएं। इससे नेल पॉलिश में एयर बबल्स नहीं बनेंगे।

6. नाखूनों को टूटने से बचाए

नाखून बार-बार टूट जाते हैं तो हमेशा नेल पॉलिश के बेस कोट की दो कोट्स लगाएं। पहला कोट नाखूनों के ऊपरी हिस्से और किनारों पर लगाए। दूसरा कोट पूरे नाखून पर लगाए।

7. जिद्दी नेल पॉलिश हटाए

अगर नेल पॉलिश जल्दी से हटने का नाम नहीं लेती है तो रूई में नेल रिमूवर नाखूनों को अच्छी तरह कवर करे। अब फॉयल से रूई को पूरी तरह ढककर दबाए। फिर कुछ मिनट बाद हाट लें। इससे नेल पॉलिश आसानी से उतर जाएगी।

8. नाखूनों का ऑयल

अगर नाखूनों में ऑयलनेस या गंदगी ज्यादा है तो नेल पेंट लगाने से पहले सिरके वाले पानी में डुबोकर रखें। इससे नेल पेंट लगाने में आसानी होगी और लंबे समय तक टिकी रहेगी।

बच्चों को क्यों नहीं देनी चाहिए चाय ?

ज्यादातर बच्चों को दूध पीना बिल्कुल पसंद नही होता। वह दूध को देखकर ही मुंह बनाने लगते हैं। बच्चों के शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए माएं बच्चो के दूध में 2 तीन-बूंद चाय मिलकर दे देती हैं। जो कि गलत है। दूध में एक भी बूंद चाय मिलाने से दूध के फायदे खत्म हो जाते हैं। इससे बच्चे को कई नुकसान होते हैं। अगर आप भी अपने बच्चों को चाय देती हैं तो उससे बच्चे का शारिरीक विकास ठीक से नहीं हो पाता। आज हम आपको यही बताएंगे कि चाय पीने से बच्चों पर बुरा असर कैसे पड़ता है तो आइए जानते हैं उसके बारे में।

चाय की लत क्यों लग जाती है

रोजाना बच्चों को चाय देने से आगे चलकर उनको लत लगनी शुरू हो जाती है। चाय में कैफिन की मात्रा ज्यादा होती है। जो दिमाग पर नशे की तरह काम करती है। जब एक बार इसकी लत लग जाए तो छुड़वाना मुश्किल हो जाता है।

छोटी उम्र में चाय पीने के कुछ सामान्य साइड-इफेक्ट्स

1. हड्डियों की कमजोरी

चाय पीने से बच्चों की हड्डियां, दांतों में दर्द होने लगता है। आगे चलकर ये दर्द बच्चों के लिए घातक साबित हो सकते हैं।

2. कैल्शियम की कमी

चाय का प्रभाव छोटे बच्चों पर बहुत ही बुरा पड़ता है। चाय पीने से बच्चों के अंदर कैल्श्यिम की कमी हो होने लगती है। इस कैल्श्यिम की से बच्चों को कई समस्याएं होने लगते हैं।

3. ग्रोथ रूकना

चाय पीने से बच्चे की लंबाई बढ़ने से रूक जाती है। इसके साथ ही बच्चे की मांसपेशिया ठीक ढंग से ग्रोथ नहीं कर पाती है। यही वजह है कि बच्चा कमजोर और लंबाई में छोटा रह जाते है।

4. व्यवहार में बदलाव

चाय पीने से बच्चे के व्यवहार में भी बदलाव देखने को मिलता है। इससे वह किसी भी काम को अच्छे तरीके से नहीं कर पाता। इससे अलवा वह चिड़चिड़ा होने लगता है।

5. नींद पर असर

बच्चों को चाय देने से नींद न आने की समस्या उत्पन हो सकता है। क्योंकि इसमें मौजूद कैफीन बच्चों में बेचैनी और नींद संबंधी विकार पैदा कर सकती है। इससे बच्चों की एकाग्रता और सक्रियता पर असर पड़ेगा। इसके अलावा चाय में चीनी होने की वजह से बच्चों के दांत के खराब हो सकता है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिलशाद एस. खान
संपादक – दै. मुंबई हलचल
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (एबीपीएसएस)

डॉ सोहेल खंड़वानी
(ट्रस्टी हाजी अली– महिम दरगाह)
संरक्षक (एबीपीएसएस)

राकेश प्रताप सिंह परिहार
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (एबीपीएसएस)

अब्दुल महफूज खान
राष्ट्रीय महासचिव (एबीपीएसएस)

रत्नाकर त्रिपाठी
राष्ट्रीय महासचिव (एबीपीएसएस)

... जियो हजारों साल ...

आदरणीय
जिग्नेश भाई कलावाड़िया

जी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के आधार स्तंभ को...

जन्मदिन

की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं

-: शुभेच्छुक :-

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिती